भागीरथी बाल शिक्षा सदन सै० स्कूल

विषय – हिन्दी (गद्य-खंड)

कक्षा – IX

पाठ - 1 दो बैलों की कथा

लेखक परिचय

नाम = प्रेमचंद

जन्म = सन् 1880 (बनारस के लमही गाँव में)

शिक्षा = बी.ए

साहित्यिक विशेषता = सामाजिक परिवर्तन का माध्यम।

भाषा शैली = सरल, सजीव एवं मुहावरेदार।

कहानी संग्रह = प्रेम गंगा, प्रेम पचीसी, सप्त सरोज, मानसरोवर समर यात्रा आदि।

उपन्यास = 'सेवासदन', 'रंगभूमि', 'प्रेमाश्रम', 'कर्मभूमि', 'गोदान', 'निर्मला', 'गबन', 'सेवासदन' आदि।

मृत्यु = सन् 1936 में।

शब्दार्थ

1. निरापद = सुरक्षित
2. सहिष्णुता = सहनशीलता
3. विग्रह = अलगाव
4. पगहिया = पशु बाँधने की रस्सी
5. गोई = जोड़ी
6. प्रतिवाद = विरोध
7. थान = पशुओं के बाँधे जाने की जगह।
8. उत्साह = उत्सव, आनंद
9. रेवड़ = पशुओं का झुंड

Scanned with CamScanner

पाठ - परिचय

'दो बैलों की कथा' कहानी के माध्यम से लेखक ने किसानों और पशुओं के आपसी भावात्मक रिश्तों का जीवंत और सजीव चित्रण प्रस्तुत किया है। स्वतंत्रता सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है और यह मनुष्यों और पशुओं दोनों को प्रिय है। इसको प्राप्त करने के लिए बार - बार संघर्ष करना पड़ता है। लेखक ने दो बैलों की कथा के माध्यम से लोगों को तत्कालीन परिवेश में चल रहे स्वतन्त्रता - आंदोलन में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया था। यह कहानी परोक्ष रूप से आजादी की भावना से जुड़ी हुई है। इस कहानी के माध्यम से लेखक ने 'पचतंत्र' और 'हितोपदेश' की कथा - परंपरा का उपयोग और विकास किया है।

पाठ से सम्बन्धित हल सहित गद्यांश

बहुत दिनों साथ रहते - रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने - सामने या आस - पास बैठे हुए एक - दूसरे से मूकभाषा में विचार - विनिमय करते थे। एक दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते थे, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी - कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे - विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही दौल - धप्पा होने लगती है।

प्रश्न

(i) पहली पंक्ति में 'दोनों' शब्द किसके लिए आया है?

उ०= पहली पंक्ति में 'दोनों' शब्द दो बैलों - हीरा और मोती के लिए आया है।

Scanned with CamScanner

(ii) मूक भाषा से क्या तात्पर्य है?

उ= मूक भाषा से तात्पर्य है - बिना बोले एक दूसरे के भावों को समझना।

(iii) दोनों में आपसी रिश्ता कैसा था?

उ = दोनों में अत्यंत घनिष्ठ आत्मीय संबंध था। वे दोनों एक दूसरे के मन की बातों को अच्छे से समझते थे।

(iv) मनुष्य किस बात से वंचित है?

उ = मनुष्य सभी प्राणियों में श्रेष्ठ समझा जाता है क्योंकि उसके पास विवेक है, चेतना है। फिर भी वह उस गुप्त शक्ति से वंचित है, जिसमें भाषा के अभाव में एक दूसरे के मन की बात समझ ली जाती है।

नोट:- सभी छात्र जीवन परिचय, शब्दार्थ और हल सहित गद्यांश को अपनी कॉपी में करें। और गृह-कार्य करने से पूर्व पाठ को एक बार ध्यान से अवश्य पढ़ें।

गृह-कार्य

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए!-

रात को जब बालिका रोटियाँ खिलाकर चली गई, दोनों रस्सियाँ चबाने लगे, पर मोटी रस्सी मुँह में न आती थी। बेचारे बार-बार जोर लगाकर रह जाते थे। सहसा घर का दवार खुला और वह लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूंछें खड़ी हो गई। उसने उनके माथे सहलाए और बोली - खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो लोग यहाँ मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए।

प्रश्न

(i) दोनों बैल रस्सियाँ क्यों चबाने लगे?

(ii) दोनों बैल लड़की का हाथ क्यों चाटने लगे?

(iii) लड़की ने बैलों को भागने के लिए क्यों कहा?

(iv) घर में बैलों की नाक में नाथ डालने की सलाह क्यों हो रही थी?

Scanned with CamScanner

पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी?
2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?
3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं?
4. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गाढ़ी दोस्ती थी?
5. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

(कार्य स्वच्छता से करें)

Scanned with CamScanner